सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
हिंदी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 के अनुसार
पाठ्यक्रम

एम.ए. : (प्रयोजनमूलकहिंदी) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष

अयन : प्रथम–द्वितीय

पाठ्यक्रम : 2023-24

मानविकी संकाय

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे–07 (भारत)

hodhindi@unipune.ac.in

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
हिंदी विभाग

विभागीय अध्ययन मंडल

१.	प्रो. (डॉ.) विजयकुमार रोडे	–	(अध्यक्ष)
२.	प्रो. (डॉ.) सदानंद भोसले	–	सदस्य
३.	प्रो. (डॉ.) शशिकला राय	–	सदस्य
४.	डॉ. महेश दवंगे	–	सदस्य
५.	डॉ. राजेंद्र घोडे	–	सदस्य
६.	डॉ. नितीन गायकवाड	–	सदस्य

सलाहकार समिति

प्रो. (डॉ.) गजानन चव्हाण

प्रो. (डॉ.) विठ्ठल भालेराव

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
हिंदी विभाग

एम.ए. (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष

पाठ्यक्रम

अनुक्रमणिका

अ.क्र.		पाठ्यकम	श्रेयांक	पृष्ठ क्र.
1)		विभागीय अध्ययन मंडल	–	1
2)		प्रथम अयन प्रश्न पत्र सूची	–	4
3)		द्वितीय अयन प्रश्न पत्र सूची	–	5
4)		तृतीय अयन प्रश्न पत्र सूची	–	6
5)		चतुर्थ अयन प्रश्न पत्र सूची	–	7
6)		पाठ्यक्रम श्रेयांक, परीक्षा, मूल्यांकन संरचना सारिणी	–	8-12
7)	PH–1	प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारणा और स्वरूप	4	13-15
8)	PH–2	भाषा तथा भाषा विज्ञान	4	16-17
9)	PH–3	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार	4	18-19
10)	PH–4	कंप्यूटर परिचय और भाषिक अनुप्रयोग	2	20-21
11)	PH–5	विज्ञापन लेखन और हिंदी	4	22-23
12)	PH–6	पटकथा लेखन : सिद्धांत और प्रक्रिया	4	24-25
13)	PH–7	आधुनिक हिंदी कहानी	4	26-28

14)	PH–8	**विशेष रचनाकार : दामोदर खडसे**	4	29-31
15)	PH–9	**शोध – प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप**	4	32-33
16)	PH–10	**हिंदी भाषा की संरचना**	4	34-35
17)	PH–11	**राजभाषा हिंदी : संवैधानिक स्थिति**	4	36-37
18)	PH–12	**संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप**	4	38-39
19)	PH–13	**पारिभाषिक शब्दावली**	2	40-41
20)	PH–14	**टेलीविजन पत्रकारिता**	4	42-44
21)	PH–15	**हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति**	4	45-46
22)	PH–16	**आधुनिक हिंदी कविता**	4	47-49
23)	PH–17	**विशेष रचनाकार : अनुज लुगुन**	4	50-52
24)	PH–18	**अंतः कार्य प्रशिक्षण**	4	53

***

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

हिंदी विभाग

एम.ए : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020

पाठ्यक्रम

एम.ए : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष

प्रथम अयन

Level : 6.0

• **अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)**		**Credit (श्रेयांक)**
PH–1	प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारणा और स्वरूप	4
PH–2	भाषा तथा भाषा विज्ञान	4
PH–3	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार	4
PH–4	कंप्यूटर परिचय और भाषिक अनुप्रयोग	2
• **वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)**		
PH–5	विज्ञापन लेखन और हिंदी	4
PH–6	पटकथा लेखन : सिद्धांत और प्रक्रिया	
PH–7	आधुनिक हिंदी कहानी	
PH–8	विशेष रचनाकार : दामोदर खडसे	
• **अनुसंधानपरक विषय (Research Methodology)**		
PH–9	शोध – प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप	4

एम.ए : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

• **अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)**		**Credit (श्रेयांक)**
PH–10	हिंदी भाषा की संरचना	4
PH–11	राजभाषा हिंदी : संवैधानिक स्थिति	4
PH–12	संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप	4
PH–13	पारिभाषिक शब्दावली	2
• **वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)**		
PH–14	टेलीविजन पत्रकारिता	4
PH–15	हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति	
PH–16	आधुनिक हिंदी कविता	
PH–17	विशेष रचनाकार : अनुज लुगुन	
• **अंतः कार्य प्रशिक्षण (On job Training)**		
PH–18	अंतः कार्य प्रशिक्षण	4

एम.ए : (प्रयोजनमूलक हिंदी) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

• **अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)**		**Credit (श्रेयांक)**
PH–19	कार्यालयी हिंदी	4
PH–20	भाषा शिक्षण	4
PH–21	भाषा प्रौद्योगिकी और हिंदी	4
PH–22	मशीनी अनुवाद	2
• **वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)**		
PH–23	लोकसाहित्य	4
PH–24	हिंदी साहित्य और सिनेमा	
PH–25	हिंदी का वैश्विक परिदृश्य	
PH–26	विशेष रचनाकार : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे (अनुवादक)	
• **अनुसंधानपरक विषय (Research Methodology)**		
PH–27	शोध–परियोजना	4

एम.ए : (प्रयोजनमूलक हिंदी) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Lavel - 6.5

• **अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)**		**Credit (श्रेयांक)**
PH–28	रेडियो लेखन और प्रस्तुति	4
PH–29	देवनागरी लिपि की संरचना	4
PH–30	माध्यम लेखन	4
• **वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)**		
PH–31	सोशल मीडिया और हिंदी	4
PH–32	हिंदी साहित्य और पर्यावरण	
PH–33	हिंदी नाटक और रंगमंच	
PH–34	साहित्यिक पत्रकारिता	
• **अनुसंधानपरक विषय (Research Methodology)**		
PH–35	शोध–परियोजना	6

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

हिंदी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020

पाठ्यक्रम

एम.ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष

अयन : प्रथम तथा द्वितीय

पाठ्यक्रम, श्रेयांक, परीक्षा तथा मूल्यांकन संरचना

प्रथम अयन

Level : 6.0

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
• अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)									
1.	PH-1	प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारणा और स्वरूप	4	60	व्याख्यान		50	50	100
2.	PH -2	भाषा तथा भाषा विज्ञान	4	60	व्याख्यान		50	50	100
3.	PH -3	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार	4	60	व्याख्यान		50	50	100

4.	PH -4	**कंप्यूटर परिचय और भाषिक अनुप्रयोग**	2	30	**व्याख्यान**		50	50	100
• **वैकल्पिक विषय (**Major Elective- Any one**)**									
5.	PH -5	**विज्ञापन लेखन और हिंदी**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
6.	PH -6	**पटकथा लेखन : सिद्धांत और प्रक्रिया**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
7.	PH -7	**आधुनिक हिंदी कहानी**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
8.	PH -8	**विशेष रचनाकार : दामोदर खडसे**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100
• **अनुसंधानपरक विषय (**Research Methodology**)**									
9.	PH -9	**शोध–प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप**	4	60	**व्याख्यान**		50	50	100

एम.ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
• अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)									
10.	PH -10	हिंदी भाषा की संरचना	4	60	व्याख्यान		50	50	100
11.	PH -11	राजभाषा हिंदी : संवैधानिक स्थिति	4	60	व्याख्यान		50	50	100
12.	PH -12	संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
13.	PH -13	पारिभाषिक शब्दावली	2	30	व्याख्यान		50	50	100
• वैकल्पिक विषय (Major Elective - Any one)									
14.	PH -14	टेलीविजन पत्रकारिता	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
15.	PH -15	हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति	4	60	व्याख्यान		50	50	100
16.	PH -16	आधुनिक हिंदी कविता	4	60	व्याख्यान		50	50	100
17.	PH -17	विशेष रचनाकार : अनुज लुगुन	4	60	व्याख्यान		50	50	100
• अंत:कार्य प्रशिक्षण (On Job Training)									
18.	PH -18	अंत:कार्य प्रशिक्षण	4	60	अंत:कार्य प्रशिक्षण		50	50	100

एम.ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) द्वितीय वर्ष
तृतीय अयन
Level : 6.5

* Exit Option : PG Diploma (44 Credits) after Three Year UG DEgree

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
• अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)									
19.	PH-19	कार्यालयी हिंदी	4	60	व्याख्यान		50	50	100
20.	PH -20	भाषा शिक्षण	4	60	व्याख्यान		50	50	100
21.	PH -21	भाषा प्रौद्योगिकी और हिंदी	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
22.	PH -22	मशीनी अनुवाद	2	30	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
• वैकल्पिक विषय (Major Elective -any one)									
23.	PH -23	लोकसाहित्य	4	60	व्याख्यान		50	50	100
24.	PH -24	हिंदी साहित्य और सिनेमा	4	60	व्याख्यान		50	50	100
25.	PH -25	हिंदी का वैश्विक परिदृश्य	4	60	व्याख्यान		50	50	100
26.	PH -26	विशेष रचनाकार : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे (अनुवादक)	4	60	व्याख्यान		50	50	100
• अनुसंधानपरक विषय									
27.	PH -27	शोध परियोजना (Research Project)	4	60	शोध परियोजना		50	50	100

एम.ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ अयन
Level : 6.5

अनु. क्र.	प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र शीर्षक	श्रेयांक	कुल तासिकाएँ	अध्यापन	क्षेत्रीय कार्य	अंतर्गत मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
• अनिवार्य विषय (Major Core Mandatory)									
28.	PH-28	रेडियो लेखन और प्रस्तुति	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
29.	PH-29	देवनागरी लिपि की संरचना	4	60	व्याख्यान		50	50	100
30.	PH-30	माध्यम लेखन	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
• वैकल्पिक विषय (Major Elective Any One)									
31.	PH-31	सोशल मीडिया और हिंदी	4	60	व्याख्यान		50	50	100
32.	PH-32	हिंदी साहित्य और पर्यावरण	4	60	व्याख्यान		50	50	100
33.	PH-33	हिंदी नाटक और रंगमंच	4	60	व्याख्यान	क्षेत्रीय कार्य	50	50	100
34.	PH-34	हिंदी आलोचना	4	60	व्याख्यान		50	50	100
• प्रबंध लेखन (Research Project)									
35.	PH-35	प्रबंध–लेखन	6	90	प्रबंध लेखन		50	50	100

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

PH- 1 प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारणा और स्वरूप श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा और स्वरूप से अवगत कराना ।
2. सामान्य हिंदी तथा प्रयोजनमूलक हिंदी के अंतर से परिचित कराना।
3. कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी का परिचय देना ।
4. जनसंचार माध्यमों के स्वरूप से परिचित कराना।
5. जनसंचार की प्रक्रिया से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● समूह चर्चा ● स्वाध्याय

पाठ्यविषय:

इकाई– I प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारणा और स्वरूप

प्रयोजनमूलक हिंदी की स्वरूपगत विशेषताएँ

प्रयोजनमूलक हिंदी के व्यवहार क्षेत्र

प्रयोजनमूलक हिंदी की विविध प्रयुक्तियाँ ।

इकाई– II कार्यालयी हिंदी की प्रकृति एवं प्रमुख प्रकार्य

कार्यालयी हिंदी की स्वरूपगत विशेषताएँ

कार्यालयी पत्र–व्यवहार के विविध रूप

प्रारूपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, अनुवाद।

इकाई– III जनसंचार क्षेत्र में हिंदी का प्रयोग एवं प्रकार्य

जनसंचार : तात्पर्य, स्वरूप एवं परिभाषा

जनसंचार माध्यम : विभिन्न रूप

परंपरागत जनसंचार माध्यम

आधुनिक जनसंचार माध्यम

जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा

जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी की प्रमुख विशेषताएँ

इकाई– IV वित्त एवं वाणिज्य के क्षेत्र में हिंदी का प्रयोग एवं प्रकार्य

वित्त एवं वाणिज्य के क्षेत्र में प्रयुक्त हिंदी का स्वरूप

वित्त एवं वाणिज्य के क्षेत्र में प्रयुक्त हिंदी की प्रमुख विशेषताएँ

वित्त एवं वाणिज्य के क्षेत्र में हिंदी की आवश्यकता

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र सामान्य हिंदी और प्रयोजनमूलक हिंदी के अंतर को समझेंगे।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएं एवं उपयोगिता से परिचित होंगे।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी के विभिन्न कार्यक्षेत्रों का परिचय प्राप्त करेंगे।
4. प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोग की शैली तथा शब्दावली से परिचित होंगे।
5. प्रयोजनमूलक हिंदी की विशिष्ट शब्दावली से अवगत होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद – डॉ. माधव सोनटक्के
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. तेजपाल चौधरी
4. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख

5. **प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त**
6. **प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे**
7. **प्रयोजनमूलक हिंदी – परमानंद पांचाल**
8. **प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम – डॉ. राणा**
9. **प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. राजनाथ भट्ट**
10. **प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पाण्डेय**

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

PH- 2 भाषा तथा भाषा विज्ञान **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. भाषा विज्ञान के स्वरूप, व्याप्ति और अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक अनुप्रयोगात्मक पक्ष से अवगत कराना।
3. साहित्य–अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता से परिचय कराना।
4. भाषा विज्ञान की अवधारणा से अवगत कराना।
5. भाषा विज्ञान की विविध इकाइयों से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● समूह चर्चा ● स्वाध्याय

इकाई– I भाषा विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति।
भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ
भाषा विज्ञान के भेद– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक और अनुप्रयुक्त।
समाजभाषा विज्ञान का सामान्य परिचय।

इकाई– II स्वनिम विज्ञान : स्वन की परिभाषा, वागावयव और कार्य, स्वन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिम परिवर्तन, स्वनिम की परिभाषा, स्वरूप और विश्लेषण।

इकाई– III रूपिम विज्ञान : रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की परिभाषा, रूपिम के भेद और प्रकार्य।
पदबंध और उपवाक्य : पदबंध का स्वरूप, पदबंध के भेद, उपवाक्य का स्वरूप, उपवाक्य के भेद।

इकाई– IV वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण।

अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **भाषा विज्ञान के स्वरूप एवं व्याप्ति का परिचय होगा।**
2. **भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियों से अवगत होंगे।**
3. **भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपशाखाओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे।**
4. **भाषा विज्ञान की अवधारणा तथा प्रमुख भाषावैज्ञानिकों के सिद्धांतों का परिचय प्राप्त करेंगे।**
5. **भाषा विज्ञान की अवधारणा एवं कार्यों से अवगत होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **भाषा और समाज – रामविलास शर्मा**
2. **सांस्कृतिक भाषा विज्ञान – डॉ. रामानंद तिवारी**
3. **भाषा विज्ञान – सं. डॉ. राजमल बोरा**
4. **भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन – डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव**
5. **भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी**
6. **भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी**
7. **हिंदी भाषा संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी**
8. **आधुनिक भाषाविज्ञान – डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय**
9. **भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख**
10. **अद्यतन भाषा विज्ञान – पाण्डेय शशीभूषण 'शितांशु'**

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

PH- 3 अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. अनुवाद के स्वरूप, व्याप्ति और उपयोगिता से परिचित कराना ।
2. अनुवाद – प्रक्रिया का सैद्धांतिक परिचय देना ।
3. अनुवाद के सामाजिक–सांस्कृतिक पक्ष से अवगत कराना।
4. बदलते ज्ञान के विस्तार के युग में अनुवाद के महत्व से परिचित कराना।
5. अनुवाद प्रक्रिया का परिचय कराकर कौशल का विकास कराना ।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान ● समूह चर्चा ● स्वाध्याय

पाठ्यविषय :

इकाई– I अनुवाद का स्वरूप : अनुवाद शब्द का व्यूत्पत्तिगत अर्थ, परिभाषाएँ, अनुवाद का महत्व अनुवाद चिंतन की पाश्चात्य परंपरा, अनुवाद चिंतन की भारतीय परंपरा अनुवाद विषयक प्रमुख सिद्धांत

इकाई– II अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि : स्त्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा, स्त्रोत भाषा के पाठ का बोधन, लक्ष्य भाषा में अंतरण, पुनः सृजन, प्रक्रियागत स्थितियाँ, अर्थयोग, अर्थहानि, अर्थांतरण, अनुद्यता, अनअनुद्यता, पुनरीक्षण

इकाई– III अनुवाद के प्रकार : स्वरूप के आधार पर अनुवाद के प्रकार, प्रक्रिया के आधार पर अनुवाद के प्रकार, पाठ के आधार पर अनुवाद के प्रकार, साहित्य विधा के आधार पर अनुवाद के प्रकार, अनुवाद के अन्य प्रकार।

इकाई– IV अनुवाद कार्य में सहायक साधन : कोश, सूचियाँ, विषय विशेष के ग्रंथ, संगणक, विभिन्न ऑनलाईन एप्लीकेशन्स

मशीनी अनुवाद : स्वरूप, प्रक्रिया एवं आवश्यकता, मशीनी अनुवाद की सीमाएँ, श्रेष्ठ अनुवाद की विशेषताएँ, अनुवादक के गुण।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र अनुवाद प्रक्रिया एवं परपंरा से परिचित होंगे।**
2. **भिन्न भाषा व्यवस्था में अनुवाद के महत्व को प्राप्त कर सकेंगे।**
3. **अनुवाद प्रक्रिया का ज्ञान प्राप्त कर अनुवाद कौशल को विकसित करेंगे।**
4. **वर्तमान समय में ज्ञान एवं शिक्षा के विस्तार में अनुवाद का महत्व प्राप्त करेंगे।**
5. **रोजगार की दृष्टि से अनुवाद के कौशल को प्राप्त करेंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुल अंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **अनुवाद की रूपरेखा – डॉ. सुरेश कुमार**
2. **अनुवाद कला – भोलानाथ तिवारी**
3. **अनुवाद की प्रक्रिया तकनीक और समस्याएँ – डॉ. श्रीनारायण समीर**
4. **अनुवाद और अनुप्रयोग – डॉ. दिनेश चमोला**
5. **अनुवाद के भाषिक पक्ष – विभा गुप्ता**
6. **हिंदी अनुवाद परंपरा : एक अनुशील – डॉ. किशोरीलाल**
7. **अनुवाद की समस्याएँ – सं. जी. गोपीनाथन**
8. **अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य – रीतारानी पालीवाल**
9. **अनुवाद संवेदना और सरोकार – सुरेश सिंहल**
10. **व्यावहारिक अनुवाद – विश्वनाथ अय्यर**

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

PH- 4 कंप्यूटर परिचय और भाषिक अनुप्रयोग **श्रेयांक–2**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. छात्रों को कंप्यूटर की कार्यप्रणाली से अवगत कराना।
2. छात्रों को हिंदी के विभिन्न सॉफ्टवेयर से अवगत कराना ।
3. छात्रों को हिंदी टंकण का प्रत्यक्ष कार्य करवाना।
4. छात्रों को इंटरनेट एवं वेब पेज से अवगत कराना।
5. मशीनी अनुवाद के विभिन्न एप्लीकेशन्स से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● समूह चर्चा ● प्रात्यक्षिक कार्य

पाठ्यविषय :

इकाई– I कंप्यूटर परिचय : कंप्यूटर शब्द की उत्पत्ति, कंम्यूटर विकास के विविध चरण, कंप्यूटर के प्रकार, कंप्यूटर के मुख्य घटक, कंप्यूटर मेमोरी– प्राथमिक, माध्यमिक तथा कैश मेमोरी, हार्डवेअर तथा सॉफ्टवेअर, संख्या प्रणाली, कंप्यूटर की भाषाएँ, आदि की सामान्य जानकारी, कंप्यूटर और इंटरनेट।

इकाई– II कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग :

भाषा प्रौद्योगिकी की अवधारणा और स्वरूप, वाक् प्रौद्योगिकी, हिंदी भाषा शिक्षण में सहायक विविध ऐप (डुओलिंगो, Busuu Bebbel, इंटरेस्ट पॉलीग्लॉट, एक भाषा सिखें, Learn101, वर्तनी जाँचक, डिजिटल पुस्तकालय, कंप्यूटर साधित भाषा अधिगम कोश निर्माण, मशीनी अनुवाद– (गूगल ट्रान्सलेट, हिंदी इंग्लिश ट्रान्सलेटर, ट्रान्सलेट ऑल लैग्वेजस, माइक्रोसॉफ्ट ट्रान्सलेटर, इंग्लिश टू हिंदी ट्रान्सलेटर ऐप, इंग्लिश हिंदी डिक्शनरी, हाई ट्रान्सलेटर) चैट जीपीटी की अवधारणा और स्वरूप।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र कंप्यूटर के उद्भव एवं विकास से परिचित होंगे।**
2. **कंप्यूटर की तकनीकी कार्यप्रणाली से अवगत होंगे।**
3. **हिंदी भाषा, साहित्य एवं शिक्षण में कंप्यूटर के महत्व को आत्मसात करेंगे।**
4. **हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रमुख कंप्यूटर प्रोग्राम से अवगत होंगे।**
5. **हिंदी भाषा, साहित्य एवं अनुसंधान में कंप्यूटर की उपयोगिता का परिचय प्राप्त करेंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 25

सत्रांत परीक्षा : 25

कुलअंक : 50

संदर्भ ग्रंथ :

1. Fundamental of Computer - Rajaraman, Prentice Hall indiapvt. Limited, New Delhi
2. I. T. Tools and -Application - Mansoor, Pragya Publication, New Delhi
3. **कंप्यूटरी सूचना प्रणाली विकास – राम बंसल**
4. **जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. रामलखन मीणा**
5. **सामयिक प्रयोजनमूलक हिंदी – पृथ्वीनाथ पाण्डेय**
6. Learning Desk Publishing - Bangia Ramesh, Khanna Book Publishing, Delhi.
7. BPB's DTP Course - Satish Jain, BPS Publication, New Delhi.
8. Corel Draw - Vishnupriya Singh, -sian Computech books, Delhi.
9. Smart DTP Course - Behera Mishra, B. K. Publication Pvt. Ltd, Delhi.
10. Web Designing Course - Singh, Minakshi Singh, VishnuPriya, -sian Publisher, Delhi.

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

PH- 5 विज्ञापन लेखन और हिंदी (वैकल्पिक) **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. विज्ञापन के स्वरूप और महत्त्व का परिचय देना।
2. विज्ञापन के भाषिक पक्ष से अवगत कराना।
3. विज्ञापन–लेखन प्रविधि का प्रशिक्षण देना।
4. विज्ञापन संपादन, निर्देशन कला से अवगत कराना।
5. विज्ञापनों में हिंदी की भूमिका से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● समूह चर्चा ● क्षेत्रीय कार्य

पाठ्यविषय :

इकाई– I विज्ञापन : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप
विज्ञापन का उद्भव एवं विकास
विज्ञापन के विविध प्रकार

इकाई– II विज्ञापन प्रसारण के विविध माध्यम
विज्ञापन की उपयोगिता, विज्ञापन और व्यवसाय
विज्ञापन की प्रमुख विशेषताएँ, विज्ञापन के प्रमुख कार्य

इकाई– III विज्ञापन : निर्माण कार्यविधि, विज्ञापन संयोजन, विज्ञापन कॉपी एवं कॉपी अपील, विज्ञापन पाठ सामग्री, विज्ञापन लेखन कला, संपादन, निर्देशन एवं प्रस्तुति

इकाई– IV विज्ञापन और भाषा का अंत:संबंध, विज्ञापन और हिंदी, विज्ञापन का पाठक श्रोता एवं दर्शक पर प्रभाव, विज्ञापन और मनोविज्ञान, विज्ञापन और उपभोक्ता, विज्ञापन कानून एवं आचार–संहिता।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र विज्ञापन की संकल्पना एवं उसके महत्त्व से अवगत होंगे।
2. विज्ञापन के आरंभ और विकास से परिचित होंगे।
3. विज्ञापन लेखन कौशल प्राप्त करेंगे।
4. विज्ञापन लेखन प्रक्रिया तथा विज्ञापन और भाषा के अंत:संबंध से अवगत होंगे।
5. वर्तमान सामाजिक जीवन में विज्ञापन की आवश्यकता को समझेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. विज्ञापन – अशोक महाजन
2. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. चंद्रप्रकाश
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के
4. डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधासिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा
6. विज्ञापन भाषा – रेखा सेठी
7. विज्ञापन–विज्ञान और उसका प्रयोग – कन्हैयालाल शर्मा
8. हिंदी विज्ञापनों का पहला दौर – आशुतोष पार्थेश्वर
9. विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धांत – नरेंद्रसिंह यादव
10. विक्रय एवं विज्ञापन – डॉ. नीरजकुमार सिंह

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

PH- 6 पटकथा लेखन : सिद्धांत और प्रक्रिया (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. पटकथा लेखन की प्रक्रिया से छात्रों को परिचित कराना।
2. पटकथा लेखन का महत्त्व समझाना।
3. पटकथा लेखन के लिए छात्रों को प्रेरित करना।
4. वर्तमान समय में पटकथा लेखन की उपयोगिता को समझाना।
5. पटकथा लेखन कौशल विकसित कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● समूह चर्चा ● क्षेत्रीय कार्य

पाठ्यविषय :

इकाई – I पटकथा लेखन परिचय, पटकथा का अर्थ एवं स्वरूप एवं प्रक्रिया
पटकथा की भूमिका एवं महत्त्व, पटकथा लेखन के तत्व

इकाई – II पटकथा लेखन की विशेषताएँ, पटकथा लेखन की शैलियाँ
फ़िल्म की पटकथा, धारावाहिक की पटकथा
फ़िल्म की पटकथा और धारावाहिक की पटकथा में अंतर

इकाई – III पटकथा में कहानी, कहानी का चयन, कहानी का विकास
अंकपरक विभाजन, दृश्य विभाजन, पात्र एवं संवाद

इकाई – IV पटकथा लेखन व्यावहारिक कार्य, फ़िल्म पटकथा लेखन, टी.वी. धारावाहिक लेखन, शॉर्ट फ़िल्म लेखन

पाठ्यक्रम की उपादेयता –

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र पटकथा लेखन की अवधारणा से अवगत होंगे।**
2. **पटकथा लेखन की प्रक्रिया का परिचय होगा।**
3. **पटकथा लेखन की विशेषताएँ एवं महत्व से परिचित होंगे।**
4. **पटकथा लेखन की विभिन्न शैलियाँ अवगत करेंगे।**
5. **पटकथा लेखन का कौशल विकसित होगा।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन: 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ सूची –

1. **पटकथा लेखन एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी**
2. **समाचार लेखन के सिद्धांत और तकनीक – डॉ. संजीव भागवत**
3. **टेलीविजन पटकथा लेखन – विनोद तिवारी**
4. **पटकथा लेखन एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी**
5. **जनसंचार माध्यम : भाषा और साहित्य – डॉ. सुधीर पचौरी**
6. **मीडिया लेखन सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र**
7. **पटकथा लेखन – कुलदीप सिन्हा**
8. **पटकथा लेखन – उमेश राठौर**
9. **पटकथा लेखन : तकनीक एवं विधियाँ – सुदर्शन कुमार**
10. **पटकथा लेखन – अस़गर वजाहत**

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

PH- 7 आधुनिक हिंदी कहानी (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र आधुनिक हिंदी कहानी के उद्‌भव और विकास से परिचित होंगे।
2. आधुनिक हिंदी कहानी के विभिन्न आंदोलनों के स्वरूप से अवगत होंगे।
3. आधुनिक हिंदी कहानीकारों का परिचय होगा।
4. आधुनिक हिंदी कहानी में अभिव्यक्त विविध समस्याओं से अवगत होंगे।
5. आधुनिक हिंदी कहानी की मुख्य प्रवृत्तियों का परिचय होगा।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I आधुनिक हिंदी कहानी : प्रेमचंद पूर्व हिंदी कहानी (सन 1900–1915 ई.), प्रेमचंद युगीन हिंदी कहानी (सन् 1916–1936 ई.), प्रेमचंदोत्तर हिंदी कहानी (सन् 1936–1950 ई.) नई कहानी (1950 के बाद) प्रमुख कहानीकार, कहानी की मुख्य प्रवृत्तियाँ, शिल्पगत प्रयोग

इकाई– II साठोत्तर हिंदी कहानी के प्रमुख आंदोलन : सचेतन कहानी, अकहानी, समानांतर कहानी, जनवादी कहानी, उत्तरशती की कहानी, इक्कीसवीं शताब्दी की आरंभिक कहानी प्रमुख कहानीकार, आधुनिकताबोध, कहानी की मुख्य प्रवृत्तियाँ, शिल्पगत प्रयोग

इकाई– III कहानी साहित्य :

दो बैलों की कथा– प्रेमचंद

पंचलाइट– फणीश्वरनाथ रेणू

दिल्ली में एक मौत– कमलेश्वर

सेवा– ममता कालिया

मोरपंख– टेकचंद

समग्र कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई– IV कहानी साहित्य : (पारिस्थितिक केंद्रित कहानियाँ)

जंगलजातकन– काशिनाथ सिंह

कहीं दूर जब दिन ढल जाए– बटरोही

कपिल का पेड– राजेश जोशी

जिनावर– चित्रा मुद्गल

इक्कीसवीं सदी का पेड– मृदुला गर्ग

समग्र कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र आधुनिक हिंदी कहानी के आरंभ और विकास से अवगत होंगे।**
2. **आधुनिक हिंदी की मुख्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।**
3. **आधुनिक प्रमुख कहानीकारों के कहानी लेखन और साहित्य का परिचय प्राप्त करेंगे।**
4. **वर्तमान कहानियों में अभिव्यक्त पर्यावरण विमर्श की अवधारणा से अवगत होंगे।**
5. **समकालीन हिंदी कहानियों के विषय एवं शिल्पविधान का परिचय प्राप्त करेंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **हिंदी कहानी का इतिहास – गोपाल राय**
2. **नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति– देवीशंकर अवस्थी**
3. **हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश**
4. **नयी कहानी की संरचना – हेमलता**
5. **उत्तरशती की हिंदी कहानी – तेज सिंह**
6. **कहानी : नयी पुरानी – सं. रघुवीर सिंह**
7. **हिंदी कहानी के सौ साल – दिनेश कर्नाटक**
8. **कहानी नयी कहानी – नामवर सिंह**
9. **हिंदी कहानी वक्त की शिवाख्त और सृजन का राग – रोहिणी अग्रवाल**
10. **अच्छी कहानी अवधारणा और पहचान – सं. शंकर**

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

PH- 8 विशेष रचनाकार : दामोदर खडसे (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. हिंदीतर भाषी हिंदी रचनाकार के रूप में दामोदर खडसे जी का जीवन तथा साहित्यिक परिचय कराना।
2. रचनाकार दामोदर खडसे जी के उपन्यास तथा कहानी साहित्य से अवगत कराना।
3. रचनाकार के काव्य साहित्य से परिचित कराना।
4. दामोदर खडसे जी के साहित्य में अभिव्यक्त विविध समस्याओं से छात्रों को अवगत कराना।
5. रचनाकार दामोदर खडसे जी के अनुवाद कार्य से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● समूह चर्चा ● भेंटवार्ता

पाठ्यविषय :

इकाई– I हिंदीतर भाषी हिंदी लेखक के रूप में दामोदर खडसे जी का जीवन एवं साहित्यिक परिचय, दामोदर खडसे जी के समकालीन हिंदीतर भाषी हिंदी लेखक एवं उनका लेखन कार्य, दामोदर खडसे जी के लेखन के प्रमुख विषय एवं संदर्भ, रचनाकार के रूप में दामोदर खडसे जी के लेखन के विविध पहलू

इकाई– II उपन्यास साहित्य :

काला सूरज – दामोदर खडसे

बादल राग – दामोदर खडसे

आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई– III कहानी साहित्य :

भटकते कोलंबस

आखिर वह एक नदी थी

इस जंगल में

गौरया को तो घुस्सा नहीं आता

साहब फिर कब आएंगे माँ!

आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई– IV काव्य साहित्य :

अब वहाँ घोंसले हैं

नदी कभी नहीं सूखती

सन्नाटे में रोशनी

अतीत नहीं होती नदी

बाढ़

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र रचनाकार दामोदर खडसे जी के जीवन तथा साहित्यिक योगदान से अवगत होंगे।**
2. **रचनाकार की रचना प्रक्रिया का परिचय होगा।**
3. **रचनाकार दामोदर खडसे जी द्वारा लिखित उपन्यास साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं का ज्ञान होगाा**
4. **रचनाकार द्वारा रचित कहानी साहित्य का स्वरूप एवं संदर्भ ज्ञात होगा।**
5. **कविता में व्यक्त समसामयिक संदर्भों से छात्र अवगत होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **कागज़ की जमीन पर – सं. डॉ. सुनील देवधर**
2. **शब्दों की दहलीज पर – सं. डॉ. सुनील देवधर**
3. **डॉ. दामोदर खडसे का सृजन संसार – डॉ. महीपति शिवराम**
4. **दामोदर खडसे – रचना परिवेश – डॉ. जसपालसिंग**
5. **साहित्य के शिखर – दामोदर खडसे – प्रो. संजय नवले**
6. **दामोदर खडस : एक शिनाख्त – सं. संदीप मुरारका**
7. **नदी के साथ–साथ – डॉ. विजया**
8. **दामोदर खडसे के साहित्य का अनुशीलन (शोध–प्रबंध)**
9. **दामोदर खडसे का व्यक्तित्व एवं कृतित्व (शोध–प्रबंध)**
10. **अनुवादक के रूप में दामोदर खडसे का हिंदी भाषा को योगदान (शोध–प्रबंध)**

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
प्रथम अयन
Level : 6.0

PH- 9 शोध–प्रविधि : सिद्धांत और स्वरूप **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. छात्रों को शोध–प्रविधि से अवगत कराना।
2. शोध दृष्टि का विकास करना।
3. छात्रों को शोध प्रक्रिया और शोध प्रबंध से अवगत करवाना।
4. शोध प्रबंध लेखन कौशल विकसित कराना।
5. शोध का महत्त्व तथा उपयोगिता प्रतिपादित करना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● समूह चर्चा ● विश्लेषण पद्धति

पाठ्यविषय :

इकाई– I शोध की अवधारणा, स्वरूप एवं परिभाषाएँ, शोध के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य।
शोध के उद्देश्य, शोध के लिए विषय चयन की प्रक्रिया,
शोध विषय निश्चिति तथा शोध का प्रारूप निर्माण।
वस्तुनिष्ठ, तर्कसंगति, प्रमाणबद्धता शोध– प्रक्रिया में तर्क का महत्व,

इकाई– II शोध के प्रकार : वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, सर्वेक्षणात्मक, अंतर्विद्याशाखीय
साहित्यिक तथा साहित्येतर शोध में समानता–असमानता, शोध प्रक्रिया के विभिन्न चरण

इकाई–III शोध के लिए सामग्री संकलन स्रोत, शोध और आलोचना, शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक, समन्वय, शोधकार्य और समय प्रबंधन, संपन्न शोध–कार्य की शैक्षिक–सामाजिक उपादेयता।

इकाई– IV शोध–प्रबंध लेखन प्रणाली :

शोध प्रबंध, शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख, सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, वर्तनी सुधार।

शोधालेख लेखन, पुस्तक समीक्षा।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र शोध का महत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत होंगे।
2. छात्रों को शोध–प्रक्रिया का आकलन होगा।
3. छात्र शोध की भिन्न पद्धतियों से परिचित होंगे।
4. शोध के भिन्न–भिन्न उद्देश्यों से अवगत होंगे।
5. प्रबंध लेखन कौशल को आत्मसात करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी अनुसंधान – विजयपाल सिंह
2. शोध प्रविधि – डॉ. विनयमोहन शर्मा
3. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
4. अनुसंधान प्रविधि – सुरेशचंद्र निर्मल
5. अनुसंधान के तत्व – विश्वनाथप्रसाद मिश्र
6. शोधतंत्र और सिद्धांत – शैलकुमारी
7. अनुसंधान और आलोचना – डॉ. नगेंद्र
8. अनुसंधान का स्वरूप – सं. डॉ. सावित्री सिन्हा
9. अनुसंधान स्वरूप और आयाम – सं.डॉ. उमाकांत गुप्त
10. अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया – डॉ. राजेंद्र मिश्र

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

PH- 10 हिंदी भाषा की संरचना **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. हिंदी भाषा की व्याकरणिक संरचना से परिचित कराना।
2. हिंदी भाषा के व्यावहारिक कौशल की क्षमता विकसित करना।
3. हिंदी भाषा और अन्य भाषा–संरचना का परिचय देना।
4. भाषा में पद, पदबंध तथा पदक्रम से परिचित कराना।
5. हिंदी भाषा पर अन्य भारतीय भाषाओं के प्रभाव से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ

लिंग, वचन, पुरुष, कारक और पुनरावलोकन ।

इकाई– II हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ :

काल, पक्ष, वृत्ति और वाच्य, पुनरावलोकन।

इकाई– III हिंदी का वाक्य विन्यास, पद, पदबंध, पदक्रम

उपवाक्य, रचना के आधार पर वाक्य भेद, वाक्य पृथक्करण, वाच्य और प्रयोग

अन्विति और हिंदी के प्रमुख वाक्य साँचे।

इकाई– IV हिंदी पर हिंदीत्तर भारतीय तथा विदेशी भाषाओं का प्रभाव :

शब्दरचना, रूप–रचना, वाक्य विन्यास आदि के संदर्भ में।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र हिंदी भाषा की व्याकरणिक संरचना से परिचित होंगे।**
2. **हिंदी भाषा के मानक उच्चारण पद्धति को अवगत करेंगे।**
3. **हिंदी भाषा के विशुद्ध लेखन कौशल से परिचित होंगे।**
4. **भाषा और वाक्य, शब्द, प्रयोग आदि से परिचित होंगे।**
5. **हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषा के पारस्परिक संबंधों से परिचित होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **हिंदी व्याकरण – पं. कामताप्रसाद गुरु**
2. **हिंदी शब्दानुशासन – आ. किशोरीदास वाजपेयी**
3. **मानक हिंदी का स्वरूप – डॉ. भोलानाथ तिवारी**
4. **हिंदी भाषा – डॉ. हरदेव बहारी**
5. **हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास – कैलाशचंद्र भाटिया**
6. **हिंदी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी**
7. **हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव**
8. **हिंदी भाषा : इतिहास और संरचना – हरिश्चंद्र पाठक**
9. **हिंदी भाषा का इतिहास – गोपाल राय**
10. **विशुद्ध हिंदी भाषा – प्रो. सदानंद भोसले**

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

PH- 11 राजभाषा हिंदी : संवैधानिक स्थिति **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. राजभाषा के स्वरूप और विकास से परिचित कराना ।
2. राजभाषा और अन्य भाषाओं की अवधारणा का ज्ञान देना ।
3. राजभाषा के संबंध में संवैधानिक स्थिति से अवगत कराना ।
4. त्रिभाषा सूत्र और राजभाषा के कार्यान्वयन की जानकारी देना ।
5. राजभाषा और राष्ट्रभाषा की अवधारणा से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I राजभाषा हिंदी : संकल्पना, स्वरूप एवं परिभाषा ।
राजभाषा, सह राजभाषा, द्वितीय राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा का अभिलक्षणिक स्तर पर अंतर

इकाई– II राष्ट्र–विकास में हिंदी भाषा की भूमिका
भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता
राजभाषा के रूप में हिंदी की स्वीकृति संबंधी मतभेदों का स्वरूप

इकाई– III राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति : संविधान का भाग–17 अनुच्छेद 120 से 210 और अनुच्छेद 343 से 351, राष्ट्रपति का आदेश – 1952, 1955, 1960, राष्ट्रभाषा अधिनियम–1976

इकाई– IV राजभाषा एकक और प्रबंधन, वार्षिक कार्यक्रम और उसका कार्यान्वयन
राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की समस्याएँ और बाधक तत्व, द्विभाषा नीति और त्रिभाषा सूत्र।
हिंदी के प्रचार–प्रसार में सरकारी और स्वैच्छिक हिंदी संस्थाओं की भूमिका।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र राजभाषा की संवैधानिक स्थिति से परिचित होंगे।
2. राजभाषा की संकल्पना एवं स्वरूप से अवगत होंगे।
3. राजभाषा हिंदी के प्रमुख प्रकार्य से परिचित होंगे।
4. भारत सरकार की राजभाषा नीति से अवगत होंगे।
5. राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य से परिचित होंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ

1. राजभाषा हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
2. राष्ट्रभाषा हिंदी – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – रवींद्रनाथ तिवारी
4. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान – डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
5. राजभाषा हिंदी : विवेचन और प्रयुक्ति – डॉ. किशोर वासवानी
6. भारत का संविधान : प्राधिकृत संस्करण 2005
7. राजभाषा हिंदी – सेठ गोविंददास
8. राजभाषा प्रबंधन – डॉ. गोवर्धन ठाकुर
9. हिंदी : राष्ट्रभाषा से राजभाषा तक – विमलेश कांति वर्मा
10. राजभाषा के संदर्भ में हिंदी आंदोलन का इतिहास – उदयनारायण दुबे

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

PH- 12 संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. संचार माध्यम और संप्रेषण का अवधारणाओं की परिचय देना।
2. संचार माध्यमों की उपयोगिता से अवगत कराना।
3. संचार माध्यमों के प्रमुख माध्यमों का परिचय कराना।
4. संचार माध्यम की बहुआयामी भूमिका का परिचय देना ।
5. संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित सूचनाओं के स्वरूप से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I संचार, जनसंचार तथा संप्रेषण : अवधारणा और स्वरूप
संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप
संचार के संघटक तत्व
संचार माध्यमों से लाभ–हानि ।

इकाई– II संचार माध्यम का स्वरूप, विकास एवं कार्य
सूचना क्रांति बनाम सूचना–उद्योग
संचार माध्यम के प्रकार : 1) परंपरागत 2) मौखिक 3) लिखित 4) आधुनिक ।

इकाई– III आधुनिक संचार माध्यम : 1) मुद्रित, 2) रेडियो, 3) सिनेमा, 4) टेलीविजन, 5) नव इलैक्ट्रॉनिक माध्यम, संचार माध्यमों द्वारा संप्रेषित संदेश की भाषिक प्रकृति।

इकाई– IV संचार माध्यमों की बहुआयामी भूमिका : 1) जनसंपर्क, 2) सूचना प्रसारण 3) पर्यावरण शिक्षा 4) शिक्षा का प्रसारण, 5) जनसमस्या का समाधान, 6) मनोरंजन वर्तमान सूचना क्रांति के विविध आयाम।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र संचार के विविध माध्यमों से परिचित होंगे।**
2. **संचार प्रक्रिया के स्वरूप से अवगत होंगे।**
3. **समाज, शिक्षा, पर्यावरण आदि क्षेत्रों में संचार के महत्व को समझेंगे।**
4. **संचार माध्यमों की उपयोगिता को आत्मसात कर पाएंगे।**
5. **संचार के पारंपारिक और आधुनिक माध्यमों क्से परिचित होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **जनसंचार के विविध आयाम – ब्रजमोहन गुप्त**
2. **जनमाध्यम और मासकल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी**
3. **जनमाध्यम और पत्रकारिता (भाग : 1, 2) – प्रवीण दीक्षित**
4. **रेडियो और दूरदर्शन और हिंदी – डॉ. हरिमोहन**
5. **जनमाध्यम : संप्रेषण और विकास – देवेंद्र इस्सर**
6. **सिनेमाई भाषा और हिंदी संवादों का विश्लेषण – डॉ. किशोर वासवानी**
7. **जनसंचार – राधेश्याम शर्मा**
8. **जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग – विष्णु राजगढ़िया**
9. **जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता सर्वांग – डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ. किरण बाल**
10. **जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी**

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

PH- 13 पारिभाषिक शब्दावली **श्रेयांक–2**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को पारिभाषिक शब्दावली की संकल्पना एवं महत्व से अवगत कराना।
2. पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण प्रक्रिया से परिचित कराना।
3. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांतों से अवगत कराना।
4. पारिभाषिक शब्दावली के प्रयोग के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित कराना।
5. पारिभाषिक शब्दावली की उपयोगिता से छात्रों को अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● अध्यापन पद्धति ● समूह चर्चा ● स्वाध्याय

पाठ्यविषय :

इकाई– I पारिभाषिक शब्दावली : संकल्पना, स्वरूप, परिभाषा एवं प्रमुख विशेषताएँ
पारिभाषिक शब्दावली निर्माण का इतिहास,
पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता एवं महत्व,
पारिभाषिक शब्दावली के भेद।

इकाई– II पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के विविध सिद्धांत, पारिभाषिक शब्दावली निर्धारण: समस्या एवं समाधान, पारिभाषिक शब्दावली प्रयोग के विभिन्न क्षेत्र।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र पारिभाषिक शब्दावली की संकल्पना एवं स्वरूप से परिचित होंगे।

2. **पारिभाषिक शब्दावली के इतिहास से अवगत होंगे।**
3. **पारिभाषिक शब्दावली निर्माण प्रक्रिया से परिचित होंगे।**
4. **पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के प्रमुख सिद्धांतों को जान पाएंगे।**
5. **पारिभाषिक शब्दावली के महत्व तथा उपयोगिता से अवगत होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 25

सत्रांत परीक्षा : 25

कुलअंक : 50

संदर्भ ग्रंथ :

1. **प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका – कैलाशनाथ पांडे**
2. **प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप – डॉ. राजेंद्र मिश्र, राकेश शर्मा**
3. **प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे**
4. **प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. राजनाथ भट्ट**
5. **प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. मुकेश अग्रवाल**
6. **प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. माधव सोनटक्के**
7. **प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम – डॉ. अर्चना श्रीवास्तव**
8. **प्रयोजनमूलक हिंदी – केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा**
9. **प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रक्रिया और स्वरूप – डॉ. कैलासचंद भाटिया**
10. **प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्ट**

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

PH- 14 टेलीविजन पत्रकारिता (वैकल्पिक) **श्रेयांक–4**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. टेलीविजन पत्रकारिता पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को नव इलैक्ट्रॉनिक पत्रकारिता से परिचित कराना।
2. मुद्रित पत्रकारिता और टेलीविजन पत्रकारिता की प्रक्रिया से अवगत कराना।
3. टेलीविजन पत्रकारिता के लिए आवश्यक लेखन, प्रस्तुति एवं उपकरण कार्य संचालन से अवगत कराना।
4. टेलीविजन पत्रकार की योग्यता एवं आवश्यक भाषायी ज्ञान से अवगत कराना।
5. टेलीविजन पत्रकारिता का वर्तमान और भविष्य का स्वरूप आदि से परिचित कराना।

अध्यापन पध्दति :

● व्याख्यान पध्दति ● विश्लेषण पध्दति ● क्षेत्रीय कार्य

पाठ्यविषय :

इकाई– I टेलीविजन पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास :
भारत में टेलीविजन पत्रकारिता का आरंभ, पत्रकारिता के विकास के विभिन्न चरण, टेलीविजन पत्रकारिता चैनल, आरंभिक टेलीविजन पत्रकारिता का स्वरूप, टेलीविजन पत्रकारिता का अन्य क्षेत्र पर प्रभाव, वर्तमान समय और टेलीविजन पत्रकारिता।

इकाई– II टेलीविजन पत्रकारिता की प्रक्रिया : टेलीविजन पत्रकारिता लेखन, संपादन एवं प्रस्तुति, पत्रकार के लिए आवश्यक योग्यताएँ, टेलीविजन पत्रकारिता प्रशिक्षण केंद्र, टेलीविजन पत्रकारिता और भाषा–प्रस्तुति, टेलीविजन पत्रकारिता के विविध पहलू

इकाई– III टेलीविजन समाचार का संगठनात्मक कार्य :

रिपोर्टर, नेशनल ब्यूरो, आऊट स्टेशन ब्यूरो, मुख्यालय ब्यूरो, विशेष ब्यूरो, एसआईटी, इनपुट प्रमुख, शोधकर्ता, एंकर्स, डेस्क, समाचार समन्वयक, समाचार संपादक, समाचार निर्माता आदि।

इकाई– IV टेलीविजन समाचार निर्माण आऊटपुटः न्यूज डेस्क, बुलेटिन प्रोडयूसर, पैकेज प्रोडयूसर, असिस्टंट प्रोडयूसर, टेलीविजन समाचार तकनीकी तंत्रः न्यूज रूम, आटोमेशन, वोडियो संपादन, स्टूडियो और पीसीआर, वीडियो मॉनीटर रूम, मास्टर नियंत्रण रूम आदि।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र टेलीविजन पत्रकारिता के उद्भव और विकास से परिचित होंगे।**
2. **टेलीविजन पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे।**
3. **टेलीविजन पत्रकारिता के संगठनात्मक कार्य से अवगत होंगे।**
4. **मुद्रित पत्रकारिता और टेलीविजन पत्रकारिता के अंतर को अनुभव करेंगे।**
5. **टेलीविजन समाचार की निर्माण प्रक्रिया से अवगत होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन :

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **टेलीविजन पत्रकारिता सिध्दांत एवं तकनीक – डॉ. इंद्रजीत सिंह**
2. **इलैक्ट्रॉनिक मीडिया – आर्य पी. के.**
3. **इलैक्ट्रानिक मीडिया – संजीव भानावत**
4. **भारतीय इलैक्ट्रानिक मीडिया – देववृत सिंह**
5. **टेलीविजन समाचार – मुस्तफा जेरी**

6. **एंकर रिर्पोटर – पुण्यप्रसून वाजपेयी**
7. **नए जनसंचार माध्यम और हिंदी – सुधीश पचौरी**
8. **टेलीविजन की कहानी – श्याम कश्यप**
9. **रेडियो और दूर–दर्शन पत्रकारिता – प्रो. हरिमोहन**
10. **टेलीविजन पत्रकारिता – माधुरी सिन्हा**

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

PH- 15 हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

6. छात्रों को भारतीय संस्कृति का परिचय देना।
7. भारतीय संस्कृति की परंपरा की समझ विकसित करना।
8. संस्कृति, समाज और साहित्य के संबंधों को गहनता से समझना।
9. भारतीय दर्शन के विभिन्न विचारों का अध्ययन कराना।
10. भारतीय समाज और संस्कृति के अंत: संबंध से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I भारतीय संस्कृति का संक्षिप्त परिचय
भारतीय संस्कृति का इतिहास
भारतीय संस्कृति का आर्थिक–सामाजिक–राजनैतिक विकास
प्राचीन भारतीय दर्शन का संक्षिप्त परिचय

इकाई– II मध्यकाल में भारतीय संस्कृति : रामानुजाचार्य, बल्लभाचार्य, निंबार्काचार्य, मध्वाचार्य के दर्शन का साहित्य पर प्रभाव
भक्तिकाल व रीतिकाल के कवियों में प्रतिबिंबित भारतीय संस्कृति की छवि
कबीर, तुलसी, सूर, जायसी आदि कवियों की रचनाओं का समाज पर प्रभाव

इकाई–III आधुनिककाल में भारतीय संस्कृति, भूमंडलीकरण और भारतीय संस्कृति, संस्कृति और साहित्य में परस्पर संबंध, विभिन्न आधुनिक विचारधाराएँ

इकाई– IV समकालीन साहित्य में प्रतिबिंबित भारतीय संस्कृति
निबंध– अशोक के फूल (ह.प्र. द्विवेदी), गूलर के फूल (कुबेरनाथ राय)

कविता– भारत– भारती अतीत खंड (मैथिलीशरण गुप्त)

कहानी– हार की जीत (सुदर्शन), पिता– ज्ञानरंजन

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

6. **छात्र भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को समझेंगे।**
7. **साहित्य और संस्कृति के अंत:संबंधों से अवगत होंगे।**
8. **भारतीय संस्कृति को प्रभावित करनेवाले दर्शन को आत्मसात करेंगे।**
9. **विभिन्न कवि/विचारकों की रचनाओं और विचारधाराओं का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।**
10. **भारतीय संस्कृति में नीहित मानवीय मूल्यों से परिचय प्राप्त करेंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह 'दिनकर'**
2. **साहित्य, संस्कृति और भाषा –ऋषभदेव शर्मा**
3. **साहित्य और संस्कृति –रामविलास शर्मा**
4. **जायसी – विजयनारायण साही**
5. **हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल**
6. **भारतीय दर्शन – डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन**
7. **भारतीय संस्कृति का इतिहास – डॉ. सुशीला सिंह**
8. **भारतीय संस्कृति – नरेंद्र मोहन**
9. **भारतीय संस्कृति के आधार – विद्यानिवास मिश्र**
10. **भारतीय संस्कृति में मानव मूल्य और लोककल्याण – सुरेश शर्मा**

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

PH- 16 आधुनिक हिंदी कविता (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी कविता के आरंभ और विकास का परिचय देना।
2. आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
3. आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख कवि तथा उनके काव्य साहित्य से अवगत कराना।
4. आधुनिक हिंदी कविता में अभिव्यक्त समस्याओं से परिचित कराना।
5. काव्य साहित्य के प्रति छात्रों में रूचि निर्माण करना।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● कविता पाठ

पाठ्यविषय :

इकाई– I आधुनिक कविता के उदय की पृष्ठभूमि

भारतेंदु हरिश्चंद्र युग की कविता (1850-1900)

पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी युग की कविता (1900-1920)

छायावादी युग की कविता (1920–1936)

उत्तर–छायावादी युग की कविता (1936–1943)

आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई– II प्रगतिवादी युग की कविता, प्रयोगवादी युग का कविता, साठोत्तरी हिंदी कविता, भूमंडलीकरण और हिंदी कविता, वर्तमान हिंदी कविता में विविध विमर्श आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई–III कविता पाठ :

कर्मवीर– अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ग्राम्य जीवन– मुकुटधर पांडेय

मधुशाला– हरिवंशराय बच्चन

असाध्य वीना – अज्ञेय

कृष्ण की चेतावनी– रामधारीसिंह दिनकर

हमारे समय के बच्चे– राजेश जोशी

समग्र कविताओं का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई– IV कविता पाठ :

बेदखल– निलय उपाध्याय

दौड़– कुमार अंबुज

लालटेन– जयप्रकाश कर्दम

बेजगह– अनामिका

उतनी दूर मत ब्याहना बाबा– निर्मला पुतुल

गर्म राख – डॉ. सुखबीर सिंह

समग्र कविताओं का आलोचनात्मक अध्ययन

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्र आधुनिक कविता के उदय की पृष्ठभूमि से अवगत होंगे।
2. आधुनिक कविता की मुख्य प्रवृत्तियों का परिचय प्राप्त करेंगे।
3. आधुनिक कविता के विकास के विविध चरणों से परिचित होंगे।
4. आधुनिक कविता के भाव सौंदर्य से अवगत होंगे।
5. आधुनिक कविता में प्रयुक्त भाषा, शैली, बिंब, प्रतीक आदि का परिचय प्राप्त करेंगे।

पाठ्यक्रम अंक विभाजन –

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ – डॉ. नगेंद्र
2. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी

3. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास – नंदकिशोर नवल
4. आधुनिक कविता की भाषा – नंदकिशोर चतुर्वेदी
5. छायावाद – नामवर सिंह
6. हिंदी की प्रगतिवादी कविता – डॉ. सुरेंद्र प्रसाद
7. प्रगतिवाद – शिवकुमार मिश्र
8. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ – प्रो. करूणाशंकर उपाध्याय
9. कविता सदी– सं. सुरेश सलिल
10. कविता का वर्तमान – सं. डॉ. पी. रवि

***

एम. ए. : (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

PH- 17 विशेष साहित्यकार: अनुज लुगुन (वैकल्पिक) श्रेयांक–4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. विशेष साहित्यकार के रूप में अनुज लुगुन का परिचय कराना।
2. समकालीन कविता की प्रवृत्तियों का बोध कराना।
3. अनुज लुगुन की प्रतिनिधि कविताओं का सूक्ष्म अध्ययन।
4. अनुज लुगुन की प्रतिनिधि कविताओं का आस्वाद कराना।
5. अनुज लुगुन का समकालीन कविताओं में योगदान।

अध्यापन पद्धति :

● व्याख्यान पद्धति ● विश्लेषण पद्धति ● समूह चर्चा

पाठ्यविषय :

इकाई– I समकालीन हिंदी कविता का परिचय और पृष्ठभूमि

समकालीन हिंदी कविता के प्रमुख कवि– कवयित्रियों का संक्षिप्त परिचय

अनुज लुगुन का जीवन तथा साहित्यिक परिचय

इकाई– II पत्थलगड़ी– अनुज लुगुन (चुनिंदा कविताएँ)

1. आधी रात की कविता
2. उनके प्रतीक
3. मुझे मेरी नागरिकता दे दो
4. हमारी सदी के लिए न्याय का मुहावरा
5. प्रेम की नागरिकता

इकाई– III पत्थलगड़ी– अनुज लुगुन (चुनिंदा कविताएँ)

1. अल्पसंख्यक

2. **पत्थलगड़ी**

3. **कथावाचक**

4. **मेरे गाँव में सीआरपीएफ कैंप लग गया है**

5. **इतिहास के रास्ते का सूरज**

इकाई– IV **अनुज लुगुन की कविता का भाव सौंदर्य, साहित्यिक– सामाजिक उपादेयता, साहित्यगत मूल्यांकन**

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. **प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात छात्रों की कविताओं के प्रति रुचि विकसित हो सकेगी।**
2. **विद्यार्थियों के भीतर संवेदनात्मक और ज्ञानात्मक संवेदना (मुक्तिबोध के शब्दों में) विकसित हो सकेगी।**
3. **मानव जीवन में कविता और कविता में मानव जीवन के महत्व को छात्र समझ सकेंगे।**
4. **वर्तमान सामाजिक समस्याओं का कविता के माध्यम से बोध होगा।**
5. **कविता में व्यक्त सौंदर्शबोध से छात्र अवगत होंगे।**

पाठ्यक्रम अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन : 50

सत्रांत परीक्षा : 50

कुलअंक : 100

संदर्भ ग्रंथ :

1. **शब्द और देशकाल – कुँवरनारायण**
2. **आलोचना की पहली किताब – विष्णु खरे**
3. **समकालीन हिंदी कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव**
4. **समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी**
5. **एक कवि की नोटबुक –**

6. **कविता और समय – अरुण कमल**
7. **पत्थलगडी – अनुज लुगुन**
8. **अनुज लुगुन की प्रतिनिधि कविताएँ – सं. पंकज चतुर्वेदी**
9. **कविता की मुक्ति – नंदकिशोर नवल**
10. **फिलहाल – अशोक वाजपेयी**

***

एम. ए. (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम वर्ष
द्वितीय अयन
Level : 6.0

HS-18 अंतः कार्य प्रशिक्षण (On job Training) **श्रेयांक–4**

अंत : कार्य प्रशिक्षण के उद्देश्य :

1. प्रस्तुत प्रशिक्षण कार्य के द्वारा छात्र अध्ययन के साथ–साथ रोजगाराभिमुख कौशल प्राप्त करेंगे।
2. अध्ययन के साथ–साथ स्वयंरोजगार तथा आत्मनिर्भरता की सोच का विस्तार होगा।
3. ज्ञान के साथ–साथ कौशल भी आत्मसात करेंगे।
4. अंत : कार्य (On job Training) के द्वारा छात्र उद्यमिता की ओर आकर्षित होंगे।
5. ज्ञान और कौशल के संयोग से छात्र भविष्य की चुनौतियों के प्रति सक्षम होंगे।

संभावित क्षेत्र :

- पत्रकारिता
- अनुवाद
- इलैक्ट्रॉनिक मीडिया
- अध्यापन कार्य

***

एम. ए. (प्रयोजनमूलक हिंदी) प्रथम तथा द्वितीय वर्ष
परीक्षा पद्धति, मूल्यांकन एवं अंक विभाजन

* आंतरिक मूल्यांकन (4 श्रेयांक)

- लघुत्तरी परीक्षा : 20 अंक
- शोध–परियोजना : 20 अंक
- शोध–परियोजना प्रस्तुति : 10
- अयनांत परीक्षा : 50
- कुल अंक : 100

* आंतरिक मूल्यांकन (2 श्रेयांक)

- लघुत्तरी परीक्षा : 15 अंक
- शोध–परियोजना : 05 अंक
- शोध–परियोजना प्रस्तुति : 05
- अयनांत परीक्षा : 25
- कुल अंक : 50

* लघुत्तरी एवं अयनांत परीक्षा/प्रश्नपत्र स्वरूप

* लघुत्तरी परीक्षा (4 श्रेयांक) में कुल आठ प्रश्न विकल्प के साथ होंगे, जिनमें से चार प्रश्न लिखने होंगे। प्रति प्रश्न अंक (05) होंगे।
* अयनांत परीक्षा (4 श्रेयांक) में विकल्प के साथ कुल दस प्रश्न होंगे, जिनमें से पाँच प्रश्न लिखने होंगे। प्रति प्रश्न अंक (10) होंगे।
* लघुत्तरी परीक्षा (2 श्रेयांक) में विकल्प के साथ कुल छह प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल तीन प्रश्न लिखने होंगे। प्रति प्रश्न अंक (05) होंगे।

* **अयनांत परीक्षा (2 श्रेयांक) में विकल्प के साथ कुल छह प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल तीन प्रश्न लिखने होंगे। दोन प्रश्न दीर्घोतरी तथा तीसरा प्रश्न टिप्पणी का होगा। प्रति प्रश्न अंक (10) होंगे।**
* **शोध परियोजना पाठ्यविषय से संबंधित होगी। विद्यार्थी अध्यापक के साथ विचार–विमर्श कर शोध–परियोजना का विषय निश्चित कर सकते हैं।**
* **विद्यार्थी द्वारा संपन्न शोध–परियोजना पर आधारित प्रस्तुति होगी।**

***